श्री शिवाष्टक | By Mukesh Bagda |

जय शिवशंकर जय गंगाधर
करुणाकर कर्तार हरे
जय कैलाशी जय अविनाशी
सुख राशी सुख सार हरे

जय शशि शेखर जय डमरूधर
जय जय प्रेमागार हरे
जय त्रिपुरारी जय मदहारी
अमित अनंत अपार हरे
निर्गुण जय जय सगुण अनामय
निराकार साकार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

जय रामेश्वर जय नागेश्वर
विद्यानाथ केदार हरे
मल्लिकार्जुन सोमनाथ जय
महाकाल ओंकार हरे

त्र्यम्बकेश्वर जय भूतश्वर
विघ्नेश्वर जगतार हरे
काशीपति विश्वनाथ जय
मंगलमय अघहार हरे
नीलकंठ जय भूतनाथ जय
मृत्युञ्जय अविकार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

जय महेश जय जय अमेंश जय
आदि देव महादेव विभो
किस मुख से हैं गुणाते प्रभु
तब आकर गुणवर्णन हो

जय भवतारक तारक हारक
पातक दारक शिव शंभु
दीन दुख हर सर्वसुखाकर
प्रेम सुधाकर दया करो
पार लगा दो भवसागर से
मन कल कर्णधार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

जय मनभावन जय अधिपावन
शोक नशावन शिव शंभु
विपद विदारण अधम उद्धारण
सत्य सनातन शिव शंभु

सहस वचन हर जलज नयन वर

धवल वरण तन शिव शंभु
मदन गहन कर पाप हरण कर
चरण मनन धन शिव शंभु
विश्रण विश्वरूप कल्याणकर
जग के मूलाधार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

भोलेनाथ कृपालु दयामय
अवघडदानी शिव योगी
सरल हृदय अति करुणा सागर
अपटि कमाली शिव योगी

निमिष मात्र ने देते हैं नव
निधि मणिमणि शिव योगी
भक्तों पर सर्वस्व लुटाकर
बने मसानी शिव योगी
स्वयं अकिंचन जन मन रंजन
पर शिव परम उदार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

अशुतोष हित मुमल निद्रा
से मुझे जगा देना
ऋषभ एकल से ऋषियों की
माया मेष छुड़ा देना

रूप सुधा के एक बूंद से
जीवन मुक्त बना देना
वेद ज्ञान भंडार युगल चरणों
की लगन लगा देना
एक बार इस मन मंदिर में
कीजे पद संचार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

दानी हो तो भी शानी अपने
अंकनन भक्ति प्रभु
शक्तिमान हो दो अविचल विष
कामदेव की शक्ति प्रभु

जागे हो दो इस असार संग
संसार से पूर्ण विरक्ति प्रभु
परमपिता हो तो तुम अपने
चरणों में अनुरक्ति प्रभु
स्वामी हो निधि सेवक की सुन
लेना करुण पुकार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

तुम बिन व्याकुल हूँ प्राणेश्वर

आ जाओ भगवंत हरे
चरण शरण की बाह पकड़ो के
उमा रमण प्रियतमे हरे
विरह व्यथित हूँ दिन दुखी हूँ
दिन दयालु अनंत हरे
आओ तुम मेरे हो जाओ श्रीमंत हरे
मेरी इस दयनीय दशा पर
कुछ तो करो विचार हरे
पार्वतीपति हर हर शंभु
पाहि पाहि दातार हरे

जय शिवशंकर जय गंगाधर
करुणाकर कर्तार हरे
जय शिवशंकर जय गंगाधर
करुणाकर कर्तार हरे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b7%e0%a5%8d%e0%a4%9f%e0%a4%95-by-mukesh-bagda/